Seventeenth Loksabha

an>

Title : Need to close of Lal Imli Mill in Kanpur, Uttar Pradesh and give arrears to its employee.

श्री सत्यदेव पचौरी (कानपुर): माननीय सभापति महोदया, आपने विषम परिस्थितियों में भी जीरो ऑवर चलाया है, इसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत आभार प्रकट करता हूं।

महोदया, मैं आपके माध्यम से माननीय कपड़ा मंत्री, भारत सरकार का ध्यान हमारे संसदीय क्षेत्र कानपुर नगर में ब्रिटिश काल से चली आ रही लाल इमली मिल की ओर दिलाना चाहता हूं। यह मिल वर्ष 2013 से बंदी के कगार पर है, लेकिन इस मिल को सरकार द्वारा बंद घोषित नहीं किया जा रहा है। तीन साल से मिल के कर्मचारियों और मजदूरों का पैसा बकाया है। मैं इस मुद्दे को वर्ष 2019 में भी इस सदन में उठा चुका हूं, लेकिन कोई संतोषजनक समाधान नहीं निकला है। अत: मेरा माननीय वस्त्र मंत्री जी से आपके माध्यम से निवेदन है कि कपड़ा मंत्रालय बीआईसी मिलों को अधिकारिक रूप से बंद करने की घोषणा करे और उनका पिछला जो वेतन बकाया है, देनदारियां हैं, उनका भी भुगतान करने की कृपा करे। तीन साल से मजदूरों को पैसा नहीं मिला है। उनके लड़के बीमार हैं, पढ़ाई के लिए नहीं जा पा रहे हैं और परिवार भुखमरी की कगार पर है। ऐसी विषम परिस्थितियों में हमें इस ओर तुरंत निर्णय लेने की आवश्यकता है। मैंने कई बार इस मुद्दे को पत्र के माध्यम से अधिकारियों से वार्ता करके उठाया है। उन्होंने मुझे यह आश्वासन दिया है कि मिल बंद होंगी और बकाया भुगतान होगा। लेकिन कब होगा? “का वर्षा जब कृषि सुखाने”, जब कर्मचारी मर जाएंगे, क्या तब भुगतान होगा?

महोदया, इस प्रकार की स्थिति से अनुमान लगाया जा सकता है कि क्या दशा होगी? सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप से एक बार उनको वेतन का भुगतान किया गया था। अत: मैं आपके माध्यम से माननीय कपड़ा मंत्री जी से अनुरोध करता हूं कि इस बंद पड़ी कपड़ा मिल को आधिकारिक रूप से बंद करने की घोषणा करें तथा कर्मचारियों का जो बकाया है, चाहे वह फण्ड के रूप में हो, चाहे वह वेतन के रूप में हो, उसका भुगतान करवाएं। यही मेरा आपके माध्यम से अनुरोध है। धन्यवाद।

माननीय सभापति: श्री टी. एन. प्रथापन जी।

…(व्यवधान)

माननीय सभापति: श्री एन. के. प्रेमचन्द्रन जी।

…(व्यवधान)

माननीय सभापति:श्री सुमेधानन्द सरस्वती जी।

…(व्यवधान)